नज़र नज़र में फर्क | By Mueksh Bagda

नज़र सुधरे नज़र बिगाड़े नज़र की बात बताता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

सीधी नज़र पड़ी अर्जुन पर सारथी बनकर साथ दिया
तिरछी नज़र दुर्योधन पर तो कुरुवंश का नाश किया
नज़र नहीं पर नज़र पे पर्दा कैसे पड़ा बताता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

नज़र किया जब लंकापति ने रतन जड़ित उस माला को
नज़र ना आये राम कहीं पर उस अंजनी के लाला को
खोज रही थी नज़र राम को माला में बतलाता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

नज़र उठाकर मदद मांगती भरी सभा में वो नारी
नज़र गड़ी धरती में सबकी खींचे दुशासन साडी
चीर र बढ़ा पर नज़र ना आया किसने किया बताता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

नज़र का इतना असर के वो पत्थर को तोड़ गिराती है
अच्छी नज़र तो पुजवा दे हो बुरी तो सर फुड़वाती है
नज़र से गिरना नज़र में उठना समझो तो समझाता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

जग की नज़र में इस जीवन में भले नहीं बन पाओगे
पड़ गई उसकी एक नज़र तो भव सागर तर जाओगे
नज़र करे नर पे नारायण आशीर्वाद दिलाता हूँ
नज़र नज़र में फर्क है कितना जो समझा बतलाता हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ab%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%95-by-mueksh-bagda/